University in News on 21 January 2022

NBT PAGE 3

एलयू में अब पढ़ाया जाएगा अवधी साहित्य और संस्कृति

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी में 'एमए उर्दू इन अवध कल्चर' नाम से पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

'एमए उर्दू इन अवध कल्चर' नाम से होगा पाठ्यक्रम

इसे विवि के उर्दू विभाग में पढ़ाया जाएगा। पाठ्यक्रम के तहत पीजी के विद्यार्थियों को अवध की गंगा-जुमनी तहजीब व अदब, साहित्य, भाषा शैली, नजाकत के अलावा अवध की शायरी, किस्सागोई, सूफियाना कलाम भी पढ़ाया जाएगा। पाठ्यक्रम का खाका नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत लगभग तैयार कर लिया गया है।

उर्दू विभाग के समन्वयक और इस पाठ्यक्रम का प्रारूप देने में लगे प्रो. अब्बास रजा नैय्यर बताते हैं कि अवध की गंगा-जमुनी तहजीव के बारे में सब जानते हैं। पर, किन शख्सियतों की मेहनत से इसे अमली जामा मिला, उसे भी छात्र-छात्राएं पढ़ेंगे। पाठ्यक्रम में अवध की परंपरा, मशहूर खेल, वास्तुकला और त्योहारों को मनाने का तरीका भी शामिल किया गया है। पाठ्यक्रम तैयार होने पर एलयू बोर्ड ऑफ स्टडीज से होकर फैकल्टी बोर्ड भेजा जाएगा। वहां से पास होकर इसे पाठ्यक्रम के तौर पर पढ़ाया जाएगा। उम्मीद है कि जुलाई तक सारी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मोटापा रोकने में मददगार साबित होगा माउथ स्प्रे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज (ओएनजीसी) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन स्वाद, मोटापा और छठी इंद्रिय के बारे में चर्चा हुई। यूनिवर्सिटी ऑफ बौर्गोगेन, फ्रांस के प्रो. नईम खान ने बताया कि मोटापा रोकने के लिए उनकी टीम ने एक माउथ स्प्रे का आविष्कार किया है। जो स्वाद कलियों की देखभाल और मोटापा रोकने में मदद करता है।

वहीं दूसरे सत्र में एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. फरजाना अली मेंहदी द्वारा पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के बारे में बताया। डॉ. एसके रथ मुख्य वैज्ञानिक सीडीआरआई ने स्वास्थ्य प्रबंधन में खुद को आत्मनिर्भर बनाने में दवा विकास के दृष्टिकोण के बारे में बताया। ऑस्ट्रेलिया के गिफिथ्स यूनिवर्सिटी की डॉ. मनीषा पांडेय ने स्ट्रेप्टोकोकल त्वचा संक्रमण के खिलाफ टीके के डिजाइन के बारे में जानकारी दी। आयरलैंड राष्ट्रीय विश्वविद्यालय गॉलवे की डॉ. शेरोन ग्लिन ने स्तन कैंसर बढ़ने के बारे में जानकारी दी।

ओएनजीसी सेंटर, प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित 'रीसेंट ट्रेंड्स इन हेल्थ एंड डिजीज' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन के दूसरे दिन प्रो. एमएम चतुर्वेदी दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रो. एससी लखोटिया बीएचयू ने मेटाबॉलिज्म और एपिजेनेटिक्स व ड्रोसोफिला, मानव रोगों के अध्ययन के लिए एक वैकल्पिक मॉडल विषय की जानकारी दी। ऑस्टियोपोरोसिस और लीवर सिरोसिस में औषधीय पौधों के महत्व पर डॉ. एम अरशद एएमयू और डॉ. सुचित स्वरूप लखनऊ विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

HINDUSTAN PAGE 4

चार विवि को भेजी फीस की रकम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को प्रदेश शासन द्वारा सत्र 2021-23 की बीएड प्रवेश परीक्षा का दायित्व सौंपा गया था। बीएड की काउंसलिंग और दाखिले की प्रक्रिया नवंबर में पूरी हो चुकी है। अब प्रवेश प्रक्रिया में शामिल अन्य विश्वविद्यालयों को फीस की रकम भी भेजी जा रही हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी को फीस की रकम भेजी गई हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

चार विश्वविद्यालयों को भेजा गया बीएड शुल्क

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने चार विश्वविद्यालयों के महाविद्यालयों को बीएड शुल्क की धनराशि दी है। प्रवक्ता ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से सम्बद्ध बीएड के 374 महाविद्यालयों को 58 करोड़ सात लाख 43 हजार, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के 206 महाविद्यालयों को 55 करोड़ 91लाख दो हजार, प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज के 159 महाविद्यालयों को 67 करोड़ 47 लाख 89 हजार और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के 99 महाविद्यालयों को 31 करोड़ 69 लाख 30 हजार रुपये दिए गए हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : 26 हजार डिग्रियां आनलाइन, विद्यार्थियों की राह होगी आसान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई करके निकलने वाले विद्यार्थियों की डिग्रियों का सत्यापन अब आनलाइन हो सकेगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020-21 की स्नातक व परास्नातक की करीब 26 हजार डिग्रियां डीजी लाकर पर अपलोड कर दी हैं। वहीं, इतनी ही मार्कशीटों को अपलोड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि जल्द ही अन्य वर्षों की डिग्री व मार्कशीट अपलोड कर दी जाएंगी। इस व्यवस्था से विद्यार्थी जहां भी नौकरी के लिए जाएंगे तो संबंधी कंपनी सीधे डीजी लाकर के माध्यम से सत्यापन आनलाइन कर लेंगी।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया के अंतर्गत नेशनल एकेडमिक डिस्पोजेटरी (नैड) की शुरुआत की थी। इसके तहत सभी शैक्षणिक संस्थानों ने अपने विद्यार्थियों के एकेडमिक प्रमाण पत्रों को डिजिटल रिकार्ड करके सुरक्षित रखा है। इससे फर्जी डिग्रियों और प्रमाण पत्रों के सत्यापन की समस्या से भी निजात मिल सकेगी। दो दिन पहले शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिव व परीक्षा नियंत्रक के साथ आनलाइन बैठक में इसकी समीक्षा की।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि वर्ष 2020-21 के अंतिम वर्ष की करीब 26 हजार डिग्रियां अपलोड की जा चुकी हैं। जल्द ही मार्कशीट भी अपलोड कर दी जाएंगी।

पीजी की डिग्री गई, यूजी के विद्यार्थी कर रहे प्रतीक्षा : लवि एवं संबद्ध महाविद्यालयों से इस वर्ष पास होकर निकले परास्नातक विद्यार्थियों की डिग्रियां तो भेज दी गईं, लेकिन स्नातक के तमाम विद्यार्थी प्रतीक्षा कर रहे हैं। परेशान छात्र ट्विटर पर डिग्री कब तक मिलने के सवाल विश्वविद्यालय प्रशासन से पूछ रहे हैं। लवि के दीक्षा समारोह में स्नातक व परास्नातक अंतिम वर्ष की 34 हजार 811 डिग्रियां दिए जाने की घोषणा की गई थी। कहा गया था कि स्नातक के विद्यार्थियों की डिग्रियां घर भेजी जाएंगी, लेकिन बड़ी संख्या में विद्यार्थियों तक डिग्री नहीं पहुंचीं। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक कैंपस और कालेजों की परास्नातक की सभी डिग्रियां जा चुकी हैं। बीटेक, एमबीए सहित स्नातक की डिग्रियां भी रोजना तीन सौ के आसपास भेजी जा रही हैं। एक सप्ताह में बची हुई डिग्रियां छात्रों के घर तक भेज दी जाएंगी।